नहीं, मेरे पास पहले ही एक टीम थी। मेरे पास पहले ही पद था। मैं बस यहां आना चाहता था और टीम के साथ जुड़ना चाहता था। इस बदलाव में आपकी मांगें नहीं हो सकती हैं। - संजू सैमसन

भारतीय बल्लेबाज, सीएसके की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अर्शदीप सिंह

पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे अर्शदीप ने आईपीएल 2026 में अभी तक सबसे ज्यादा रन दिए हैं।यह गेंदबाज 10 मैच में 38 ओवर फेंकते हुए 396 रन खर्च कर चुका है। यह इस सीजन में सर्वाधिक है। उन्हें अभी तक 11 विकेट भी मिले हैं लेकिन उनकी इकॉनमी 10.42 की रही है। उनके बाद इस सीजन सबसे ज्यादा रन खर्च करने में सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा (38.2 ओवर में 362 रन), गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा (39 ओवर में 360 रन), दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन (31.5 ओवर में 356 रन), पंजाब के मार्को यानसन (35.2 ओवर में 350 रन) के नाम आते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पीटी उषा का 1984 में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया गया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स में सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाला रिकॉर्ड है। इसे 39 साल बाद 2023 में विथ्या रामराज ने ही तोड़ा था।

मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर, बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया

क्रुणाल की फिफ्टी, भुवनेश्वर को 4 विकेट

नई दिल्ली, 10 मई। मुंबई इंडियंस की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। उसे रविवार के दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया। इस हार के बाद मुंबई की टीम अगले 3 मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकेगी, जोकि प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर चेज किया। टीम ने 8 विकेट गंवा दिए थे। बेंगलुरु की ओर से क्रुणाल पंड्या ने 46 बॉल पर 73 रन की पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में भुवनेश्ववर कुमार ने 4 विकेट झटके। मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 बॉल पर 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा नमन धीर ने 47 रन बनाए। बेंगलुरु के लिए भुवनेश्वर कुमार ने 4 विकेट लिए।

'ग्रैंड चेस टूर' डी गुकेश छठे स्थान पर रहे, हंस नीमैन बने विजेता

नई दिल्ली, 10 मई। विश्व चैंपियन डी गुकेश को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा जबकि अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए 'सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज' का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट 'ग्रैंड चेस टूर' का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया। खिलाड़ियों ने नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर दो अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था। गुकेश ने रेपिड में नौ और ब्लिट्ज में आठ अंक जुटाए। हालात और भी खराब हो सकते थे लेकिन गुकेश ने आखिरी दौर में पोलैंड के डूडा यान-क्रिस्टोफ को हराकर वापसी की।

गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के मुख्य टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था और इस साल वे केवल रेपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों में ही खेलेंगे। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन गुकेश इस साल के अंत में नार्वे शतरंज टूर्नामेंट के अलावा अमेरिका के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला भी खेलने वाले हैं। गुकेश को आखिरी दिन तीन जीत मिलीं। उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो, नीमैन और डूडा को हराया। उन्हें चार हार का सामना करना पड़ा जिसमें सिंदारोव के खिलाफ शिकस्त भी शामिल है।

नीमैन ने आखिरी दो दौर जीते और टूर्नामेंट का समापन कुल 22.5 अंक के साथ किया। उन्हें ट्रॉफी के अलावा 50 हजार डॉलर का पहला पुरस्कार भी मिला। अंतिम दौर में नीमैन ने पोलैंड के राडोस्लाव वोज्टाजेक को हराया। अमेरिका के फाबियानो करुआना 22 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जो वेस्ली से एक अंक अधिक है। स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव 18 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे जबकि फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा ने पांचवां स्थान हासिल किया। ग्रैंड चेस टूर का कारवां अब 'सुपर क्लासिक' टूर्नामेंट के लिए रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट की ओर बढ़ेगा और इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा हिस्सा लेंगे।

भारतीय आर्चरी महिला टीम ने वर्ल्ड कप में जीता गोल्ड

हाईवोल्टेज फाइनल में चीन को शूट ऑफ में चटाई धूल

नई दिल्ली, 10 मई। भारत की महिला रिकर्व टीम ने शंघाई में हुए तीरंदाजी विश्व कप 2026 के दूसरे चरण में मेजबान चीन को एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया है। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और 17 साल की कुमकुम मोहद की तिकड़ी ने मुकाबले के आखिरी पलों में भी अपना संयम बनाए रखा और हाल के सालों में भारत के लिए सबसे अहम टीम खिताबों में से एक हासिल किया।

दीपिका ने टीम को संभाला

गोल्ड मेडल मैच एक हाई-स्कोरिंग और बराबरी का मुकाबला था। दोनों टीमों ने हर राउंड में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी और पूरे मैच के दौरान अंकों का अंतर बहुत कम रहा। भारत की ताकत उसकी निरंतरता में थी। उन्होंने शायद ही कभी नौ-रिंग से नीचे स्कोर किया और उन अहम पलों का फ़ायदा उठाया, जहां चीन दबाव में आकर थोड़ा लड़खड़ा गया। इस तिकड़ी की सबसे अनुभवी सदस्य दीपिका कुमारी ने एक बार फिर टीम को संभालने में अहम भूमिका निभाई। अंकिता भगत ने लगातार अच्छा स्कोर करके उनका साथ दिया, जबकि कुमकुम मोहद ने अपनी उम्र के हिसाब से जबरदस्त संयम दिखाया और इतने बड़े फाइनल मैच में भी अपनी लय बनाए रखी। मैच का निर्णायक मोड़ आखिरी राउंड में आया, जहां भारत ने बेहतर ग्रुपिंग और कम अंक गंवाकर बढ़त बना ली।

भारत का टूर्नामेंट में सफर

इस टूर्नामेंट में भारत के सफर की बात करें तो राउंड ऑफ 16 में भारतीय टीम ने उज़्बेकिस्तान को 6-2 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी शुरुआत को मजबूत बनाया। इसके बाद वियतनाम के ख़िलाफ क्वार्टरफ़ाइनल का मुकाबला काफी मुश्किल रहा, जहां 5-4 से मैच टाई होने के बाद फ़ैसला शूट-ऑफ से हुआ। भारत ने निर्णायक पल में अपना संयम बनाए रखा और 28-25 से जीत हासिल करके अगले दौर में जगह बनाई। इस पूरे अभियान का सबसे अहम पल सेमीफ़ाइनल में आया, जहां उन्होंने टॉप सीड वाली टीम साउथ कोरिया को 5-1 से हराया। साउथ कोरिया को दुनिया की रिकर्व तीरंदाज़ी में सबसे ताक़तवर टीम माना जाता है, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी सटीक निशाने और बेहतरीन रणनीति के दम पर उन्हें मात दी। पहले और आखिरी सेट में 58-55 और 58-56 के स्कोर ने यह साबित कर दिया कि भारत दुनिया की बेहतरीन टीमों के ख़िलाफ भी लगातार बड़ा स्कोर बनाने की क्षमता रखता है। सेमीफ़ाइनल के इस नतीजे ने फाइनल से पहले का माहौल ही बदल दिया। उसके बाद भारत को खिताब का सबसे मजबूत दावेदार माना जाने लगा और भारतीय टीम ने यह सही भी साबित कर दिया।

टीम-ए चैम्पियन व टीम-बी उपविजेता रही

गौरव सालवी का शतक व जयंत ताम्बी का अर्धशतक

जयपुर, 10 मई । जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी के अंतर्गत आज से खेले गए तीन दिवसीय मैच में अंतिम दिन टीम सी (मान क्लब) ने कल के स्कोर 5 विकेट पर 143 रन से आगे खेलते हुए मानेंद्र सिंह के 30 रन, अमन सिंह शेखावत के 52 रन व मोहम्मद खूबेब के 25 रनो से 61.4 ओवर में 232 रन बना कर आउट हो गई। टीम ए के लिए मेहुल पारीक ने 51 पर 2, रमेश शर्मा ने 22 पर 2, मिहित अग्रवाल ने 18 पर 3, सौरभ यादव व आदित्य टांक ने एक - एक विकेट लिया। टीम ए को जीत के लिए 255 रनो का लक्ष्य मिला टीम ए ने अपनी दूसरी पारी में गौरव सालवी के 120 रन, (72 गेंद, 15 चौके व 8 छक्के), भावित कुमावत के 44 रन, जयंत ताम्बी के नाबाद 54 रन व तोषित भाटिया के 26 रनो से 24 ओवर में 2 विकेट पर 257 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया । टीम सी (मान क्लब) के लिए कार्तिक बदलानी व आदित्य शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

महेन्द्र सिंह धोनी क्या 2026 में खेलेंगे ?

नई दिल्ली, 10 मई। महान भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है किएमएस धोनीरविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के 2026 मैच से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि टीम की जीत की लय को बनाए रखने के लिए शायद वह प्लेइंग से बाहर ही रहे। धोनी पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अभी तक एक भी मैच नहीं खेले हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कुंबले ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स की परंपरा रही है कि वह हमेशा स्थिर कॉम्बिनेशन का समर्थन करती है और जो टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, उसमें शायद ही कभी कोई बदलाव करती है। कुंबले ने कहा कि चेन्नई एक ऐसी टीम है, जिसे अपनी जीत का सिलसिला टूटना पसंद नहीं है। वे अपनी विनिंग कॉम्बिनेशन में ज़्यादा बदलाव नहीं करते और अपने खिलाड़ियों का साथ देने में विश्वास रखते हैं। कब होगी धोनी की वापसी? कुंबले ने यह भी बताया कि धोनी प्रैक्टिस सेशन के दौरान काफी एक्टवि रहे हैं, खासकर विकेटकीपिंग की ड्रिल में, ऐसा कुछ जो वह नेट्स में शायद ही कभी करते हैं. अब धोनी ने नेट्स में काफी बैटिंग की है। उन्होंने नेट सेशन में विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस भी की है, जो बहुत हैरानी की बात है क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो नेट्स में कभी विकेटकीपिंग नहीं करते। कुंबले के अनुसार धोनी की ये कोशिशें दिखाती हैं कि वह पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कितने पक्के इरादे वाले हैं। हालांकि वह शायद तब भी टीम में शामिल होने से बचेंगे, अगर इससे टीम का संतुलन बिगड़ने का खतरा हो। उन्होंने कहा कि धोनी ऐसा कर रहे हैं और पूरी तरह से मैच फ़िटनेस हासिल करने की अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अगर वह जरूरी फ़िटनेस लेवल हासिल कर भी लेते हैं, तो उन्हें लगता है कि वह प्लेइंग में नहीं आना चाहेंगे, क्योंकि चेन्नई अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

लखनऊ प्लेऑफ की रेस से बाहर, चेन्नई ने 5 विकेट से हराया, उर्विल पटेल ने फिफ्टी लगाई, ओवर्टन को 3 विकेट

चेपॉक, 10 मई। लखनऊ सुपर जायंट्स में प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार के पहले मैच में 5 विकेट से हराया। इस हार के बाद ऋषभ पंत की टीम बचे हुए मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकती है, जो प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 203 रन बनाए।

चेन्नई ने 204 रन का टारगेट 19.2 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। आखिरी ओवर में शिवम दुबे ने ऐडन मार्करम की बॉल पर लगातार दो छक्के मारकर टीम को जीत दिला दी। उर्विल पटेल ने 33 बॉल पर 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 13 बॉल पर फिफ्टी लगाई। उर्विल ने में सबसे तेज फिफ्टी लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। राजस्थान के यशस्वी जायसवाल 2023 में 13 बॉल पर फिफ्टी लगा चुके हैं। उर्विल पटेल के अलावा, कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 42, संजू सैमसन ने 28 और कार्तिक त्यागी ने 20 रन का योगदान दिया। लखनऊ के दिग्वेश राठी और शहबाज अहमद को 2-2 विकेट मिले। एक विकेट आवेश खान के खाते में आया।

लखनऊ से इंग्लिस ने अर्धशतक लगाया : जोश इंग्लिस ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 33 गेंद की पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। आखिरी में शहबाज अहमद ने नाबाद 43 रन बनाए। ओवर्टन प्लेयर ऑफ द मैच: चेन्नई के जैमी ओवर्टन प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 36 रन देकर 3 विकेट झटके। अंशुल कम्बोज को 2 विकेट मिले। एक विकेट नूर अहमद को मिला।

प्रिजमिक से हारकर बाहर हुए जोकोविच, इटालियन ओपन में हुआ बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, 10 मई। छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविक दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

प्रिजमिक ने जोकोविक को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविक इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टाप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

राजस्थान की टीमों ने अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया

पहली बार भाग लेते हुए महिला एवं पुरुष खो-खो टीमों ने रनर ट्रॉफी प्राप्त की

जयपुर, 10 मई। महाराष्ट्र द्वारा पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में 47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती तथा महिला व पुरुषों की कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 6 से 8 मई तक किया गया। प्रतियोगिता में राजस्थान के विद्युत निगमो की कुल 6 टीमों के 47 खिलाड़ियों के अब तक के सबसे बड़े दल ने भाग लेकर तीन खेलों में पदक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की।

राजस्थान दल के मैनेजर एवं सहायक निदेशक जनसंपर्क पवन शर्मा ने बताया कि राजस्थान की बास्केटबॉल एवं खो-खो की पुरुष टीम ने पहली बार भाग लेते हुए शानदार प्रदर्शन कर लीग मुकाबलो में सफलता अर्जित करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बास्केटबॉल टीम को सेमीफाइनल में कड़े संघर्ष के बाद हरियाणा पावर से हार का सामना करना पड़ा। तृतीय स्थान के लिए खेले गए रोमांचक मुकाबले में भी बास्केटबॉल टीम को मेजबान महाराष्ट्र से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुषों की खो-खो टीम ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए महाराष्ट्र पावर की खो-खो टीम को परास्त करते हुए तृतीय स्थान की ट्रॉफी अर्जित की। राजस्थान की महिलाओं की खो-खो टीम ने गुजरात की टीम को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में मेजबान महाराष्ट्र पावर से कड़े मुकाबले के बाद राजस्थान की टीम हार गई और रनर ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। मात्र 15 दिवस की अल्पावधि में तैयार हुई राजस्थान की महिला टीम में सभी खिलाड़ी सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट की कनिष्ठ अभियंता हैं। सभी महिला खिलाड़ियों ने ड्यूटी के साथ समय निकालते हुए सुबह-शाम लगातार प्रैक्टिस की और ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है। खोखो टीम की कप्तान पूनम, कनिष्ठ अभियंता सूरतगढ़ थर्मल को बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड भी प्रदान किया गया।

सुनील छेत्री बने आईसएल किंग, 195वां मैच खेलकर तोड़ा सबसे बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 10 मई। जमशेदपुर एफसी के खिलाफ शनिवार को यहां बेंगलुरु एफसी की 1-0 की जीत के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री इंडियन सुपर लीग फुटबॉल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। जमशेदपुर एफसी ने मैच के बड़े हिस्से में दबदबा बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में बेंगलुरु एफसी के रयान विलियम्स द्वारा 38वें मिनट में किया गया गोल निर्णायक साबित हुआ। बेंगलुरु एफसी ने 41 वर्षीय छेत्री को शुरुआती एकादश में शामिल नहीं किया था, लेकिन वह 85वें मिनट में नामग्याल भूटिया की जगह मैदान पर आए और 195 मैचों के साथ आईएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। दिग्गज स्ट्राइकर ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। इस जीत के साथ बेंगलुरु एफसी 12 मैचों में 20 अंकों के साथ आईएसएल तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई।

दो दिवसीय शतरंज चैम्पियनशिप सम्पन्न

जयपुर, 10 मई। क्वीन्स चेस अकैडमी एवं निर्माण नगर चेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जयपुर जिला स्तरीय ओपन एवं वूमेन शतरंज चैंपियनशिप 2026 का सफल समापन सामुदायिक केंद्र, मानसरोवर में हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर जिले के लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 42 रेटेड खिलाड़ी शामिल रहे। आयोजक एवं जयपुर जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष अशोक चौमाल ने बताया कि प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जयपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। ओपन वर्ग में ओजस जोशी ने 6.5 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अनुज चौमाल 5.5 अंक के साथ द्वितीय तथा वरनीत दीक्षित 5.5 अंक के साथ तृतीय स्थान पर रहे।

भारतीय कुश्ती महासंघ का बड़ा बयान : हरियाणा के पहलवानों की रिकॉर्ड भागीदारी ने पक्षपात के आरोप झूठे साबित किये

नई दिल्ली, 10 मई। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने रविवार को कहा कि गोंडा में चल रहे राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हरियाणा के पहलवानों की भारी भागीदारी इस आरोप को खारिज करती है कि महासंघ राज्य के खिलाफ पक्षपात कर रहा है। उन्होंने हालांकि यह भी स्वीकार किया कि भारतीय कुश्ती अब भी डोपिंग की गंभीर समस्या से जूझ रही है, क्योंकि प्रतियोगिता स्थल पर इस्तेमाल की गई सिरिंज बरामद हुई हैं। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट के लिए करीब 1,400 पहलवानों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत हरियाणा से हैं। हरियाणा को देश में पारंपरिक रूप से कुश्ती का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट घरेलू स्तर की एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है, क्योंकि इसके जरिए राष्ट्रीय शिविरों और भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के चयन का रास्ता तय होता है। यह उन अनुभवी खिलाड़ियों के लिए भी बड़ा मंच है, जो रैंकिंग में पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में 2019 विश्व चैंपियनशिप और 2023 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया भी यहां प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उनके साथ 125 किलोग्राम वर्ग में 2023 एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अनिरुद्ध गुलिया भी हिस्सा ले रहे हैं। यह मुद्दा इसलिए भी अहम है क्योंकि 2021 में तत्कालीन डब्ल्यूएफआई प्रशासन ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में किसी भी राज्य से एक से अधिक टीमों को अनुमति नहीं देने की नीति लागू की थी। इसे व्यापक तौर पर हरियाणा को निशाना बनाने वाला

कदम माना गया था, क्योंकि राज्य परंपरागत रूप से अपनी मजबूत प्रतिभा के दम पर ए और बी दोनों टीमें उतारता रहा है। हरियाणा राज्य संघ ने उस समय इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा था कि राज्य को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि हरियाणा भारतीय कुश्ती की रीढ़ बना हुआ है और महासंघ चाहता है कि हर राज्य से मजबूत भागीदारी हो, खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान तैयार करने वाले राज्यों से। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, रैंकिंग टूर्नामेंट की शुरुआत खास तौर पर हरियाणा के पहलवानों को दूसरा मौका देने के उद्देश्य से की गई, ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ी खुद को साबित कर सकें और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी बनाए रख सकें। सिंह ने कहा, हरियाणा ने वर्षों से भारतीय कुश्ती में बड़ा योगदान दिया है। हम चाहते हैं कि वहां और पूरे देश में यह खेल और मजबूत हो। आंकड़े खुद इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण हैं कि डब्ल्यूएफआई हरियाणा के खिलाफ नहीं है। अगर भेदभाव होता, तो हरियाणा के पहलवान इतनी बड़ी संख्या में यहां नहीं आते। '' उन्होंने कहा, ''हरियाणा के पहलवान बड़ी संख्या में यहां जीतेंगे और राष्ट्रीय शिविर में वापसी का शानदार मौका हासिल करेंगे, जिससे उन्हें पूरे साल प्रशिक्षण से जुड़े लाभ मिल सकेंगे। राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले दिन कई दिग्गज पहलवानों पर मुकाबले से पहले इंजेक्शन लेने के आरोप लगे हैं। प्रतियोगिता स्थल नंदिनी नगर के पुरुष शौचालय में इस संवाददाता को इस्तेमाल की गई कई सिरिंज मिलने के बाद यह मामला चर्चा में आया। सिंह ने कहा, हम लगातार जागरूकता फैलाने और दोषियों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह सच है कि अभी और काम किए जाने की जरूरत है। डोपिंग मामलों के कारण कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा है और हम चाहते हैं कि यह खेल पूरी तरह स्वच्छ बने। हाल के वर्षों में भारतीय कुश्ती को डोपिंग उल्लंघनों के कारण कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है, खासकर हैवीवेट वर्ग में। कई नामी पहलवान डोप जांच में विफल रहने के बाद निलंबन झेल चुके हैं।